Sahapedia
C 1/3, First Floor
Safdarjung Development Area
New Delhi 110016
+91-11-41065046/47
www.sahapedia.org

प्रेस विज्ञप्ति

इंडिया हेरिटेज वॉक फेस्टिवल, 2018

ऐतिहासिक शहर आगरा के भूले बिसरे इलाकों से गुजरते हुए अतीत की झलक

आगरा, 8 फरवरी : इंडिया हेरिटेज वॉक फेस्टिवल, 2018 के दौरान विश्वप्रसिद्ध वैभवशाली ताजमहल की नगरी आगरा के इतिहास के एक काल खंड को अतीत की स्मृतियों से बाहर निकाल कर लोगों के सामने लाया जाएगा। एक महीने तक चलने वाले इस फेस्टिवल के तहत आगामी क्यूरेटेड वॉक श्रृंखला के दौरान इस ऐतिहासिक शहर के विस्मृत हो चुके कुछ महत्वपूर्ण स्थलों की स्मृतियों को जीवंत किया जाएगा।

आगरा उन 20 शहरों में शामिल है जहां भारतीय कला एवं संस्कृति के ऑनलाइन विश्वकोश – सहपीडिया (sahapedia.org) तथा यस ग्लोबल इंस्टीच्यूट के सांस्कृतिक प्रभाग – यस बैंक का व्यावसायिक विचार मंच ''यस कल्चर'' की ओर से कई शहरों में एक माह के लिए आईएचडब्ल्यूएफ, 2018 का आयोजन किया जा रहा है। इस फेस्टिवल का उद्देश्य लोगों को अपने शहरों और कस्बों की मूर्त और अमूर्त विरासत की तलाश करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

11 फरवरी और 24 फरवरी को आयोजित तीन घंटे के वॉक के दौरान वहां के निवासियों को पुराने आगरा के भूले–बिसरे इलाकों को दिखाया जाएगा जो एक समय मुगलों की राजधानी था लेकिन अब इसकी स्मृतियां मुख्यरूप से पुस्तकों एवं संग्रहालयों तक ही सीमित हो चुकी हैं। इस वॉक के दौरान निवासियों को आफिसर स्ट्रीट (हाकिमन स्ट्रीट) होते हुए कला महल ले जाया जाएगा। साथ ही शाही जामा मस्जिद और कई अन्य मंदिरों और मस्जिदों को भी दिखाया जाएगा।

दोनों वॉक की अगुआई आगरा के स्थानीय निवासी ताहिर अहमद कुरैशी करेंगे जो उत्साही यात्री, कहानीकार, फिल्म निर्माता और लेखक हैं और जिनकी इतिहास, पकवान और लोगों में विशिष्ट रुचि है। वह बिल्लियों के शौकीन हैं और इस समय वह आगरा में कलाकारों के लिए सहयोगात्मक स्टूडियो–निवास स्थल विकसित करने के प्रयास में संलग्न हैं। वह इस शहर के बारे में अपने सपने, जरूरतें एवं विचार साझा करने में दिलचस्पी रखने वाले लोगों का एक समूह बना रहे हैं।

श्री कुरैशी कहानी सुनाने की शैली में लोगों को आगरा के अतीत, वर्तमान तथा भविष्य के बारे में दिलचस्प पहलुओं से परिचित कराते हुए इस वॉक को मजेदार बनाएंगे। इस वॉक में शामिल होने वाले लोग स्थानीय लोगों के साथ भी घुल–मिल सकेंगे तथा शहर के प्रमुख कला स्थलों एवं राजनीतिक शख्सियतों के बारे में भी बातचीत कर सकेंगे। यह वॉक इस वॉक की अगुआई करने वाले के पैतृक घर पर पारंपरिक नाश्ते के साथ समाप्त होगा।

आईएचडब्ल्युएफ 2018 के वॉक एवं अन्य कार्यक्रमों का विवरण, रास्तों के नक्शे तथा पंजीकरण संबंधी जानकारियां www.indiaheritagewalkfestival.com पर उपलब्ध है।

आईएचडब्ल्यूएफ के महोत्सव निदेशक और सहपीडिया के सचिव वैभव चौहान कहते हैं, ''इंडिया हेरिटेज वॉक फेस्टिवल, 2018 उन सारी चीजों का उत्सव है जिनके पक्ष में सहपीडिया खड़ा है। हमारे समृद्ध विरासत और संस्कृति के बारे में प्रमाणित, विश्वसनीय तथा विस्तृत सामग्रियां उपलब्ध कराने के प्रयास के तहत हम देशभर में सांस्कृतिक कर्मियों का एक नेटवर्क विकसित कर रहे हैं। यह महोत्सव पूरे भारत में चलने वाले आंदोलन का हिस्सा है जिसके तहत धरोहरों को अधिक से अधिक लोकप्रिय, अधिक से अधिक सुगम एवं अधिक से अधिक प्रयोगधर्मी बनाया जा रहा है। यही कारण है कि इस महोत्सव के तहत जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को जोड़ा जा रहा है। वॉक के जरिए विस्तृत विषयगत अनुभवों तथा

Sahapedia
C 1/3, First Floor
Safdarjung Development Area
New Delhi 110016
+91-11-41065046/47
www.sahapedia.org

यथासंभव अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाएगा।''

यस बैंक के एमडी और सीईओ और यस ग्लोबल इंस्टीच्यूट के अध्यक्ष श्री राणा कपूर कहते हैं, ''भारत को समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक इतिहास का वरदान मिला है, जो हमारे देश भर में स्मारकों और स्थापत्य स्थलों में भरपूर रूप से प्रकट होता है। हमारे देश की विरासत में समाज की भागीदारी के साथ– साथ हेरिटेज वॉक जैसी गतिविधियां इन स्थलों के संरक्षण और सुरक्षा का अभिन्न अंग है। स्थानीय समुदायों और नागरिकों की पूरे दिल से भागीदारी के साथ– साथ इस तरह के विरासत पर्यटन पहल से विशाल राष्ट्रीय गौरव पैदा करने और विरासत के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।''

यस ग्लोबल इंस्टीट्यूट की ग्लोबल कन्वेनर और यस बैंक की सीनियर प्रेसिडेंट सुश्री प्रीति सिन्हा ने कहा, 'भारत में 21 वीं सदी में विरासत की समझ ऐतिहासिक इमारतों और स्मारकों के संरक्षण से आगे बढ़ते हुए मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक स्वरूपों के व्यापक संदर्भ और संरक्षण तक केंद्रित हुई है। वॉक, टॉक एवं फिल्म तथा सोशल फोरम जैसी डिजिटल मीडिया के जरिए निर्मित, प्राकृतिक एवं जीवित विरासत के साथ सक्रिय अंतरसंबंध के जरिए यह महोत्सव ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील नीति एवं निर्णय निर्माण के लिए विवेकपूर्ण समझ की एक कसौटी है।''

आईएचडब्ल्यूएफ 2018 के तहत देश भर के 20 शहरों को शामिल किया जा रहा है। इस दौरान ऐतिहासिक स्मारकों एवं धार्मिक स्थलों, जाने–माने स्थलों, कला एवं संस्कृति के लिए प्रसिद्ध स्थानों, व्यंजनों तथा समृद्ध बाजारों के जरिए वॉक का आयोजन किया जा रहा है।

इसके अलावा सांस्कृतिक विषयों और व्याख्यान मालाओं पर आधारित वृत्तचित्रों का ऑनलाइन फिल्म फेस्टिवल भी आयोजित हो रहा है जिन्हें पूरे माह के दौरान निधारित करीब 70 आयोजनों के तहत बैठकों एवं तत्कालबैठकों के रूप में क्यूरेट किया गया है।